सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-8 • 31 JULY TO 06 AUGUST 2026 • VOLUME 02 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

प्रेरणा

"जिस दिन आपने बहानों को छोड़ दिया, उसी दिन सफलता ने आपका पता पूछना शुरू कर दिया।"

साप्ताहिक मौसम

दिन	अधिकतम	न्यूनतम
शुक्रवार	30°	26°
शनिवार	32°	26°
रविवार	36°	29°
सोमवार	32°	26°
मंगलवार	32°	26°
बुधवार	32°	26°
वीरवार	34°	27°

*आंकड़े आईएमडी के अनुसार

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184
INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
CONSULTING DESIGN TRAINING
ISO CERTIFIED 2015 COMPANY
CONFUSED ABOUT CAREER!
Unsure of what to do after 10th/12th/Graduation?
Whether to Study in India or Abroad?
What should I do after 10th-Science, Commerce or Arts?
Should I consider Computer or Mechanical Engineering?
What is better for me - MBA in Marketing or MBA in Finance?
Should I pursue Chartered Accountancy or Law after 12th?
Do I have the aptitude for Architecture and Designing?
Get Career Guidance from our Expert Career Counseling Team Free of Cost
E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact :9317776662, 9317776663
REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.
*T&C apply

मॉनसून सत्र : नकल माफिया पर संसद का सबसे बड़ा प्रहार

लोकसभा के बाद राज्यसभा से भी पास हुआ एंटी पेपर लीक बिल

नई दिल्ली. लोकसभा के बाद राज्यसभा ने भी एंटी पेपर लीक बिल को ध्वनि मत से पारित कर दिया। मॉनसून सत्र के दौरान दोनों सदनों में इस विधेयक पर लंबी चर्चा हुई। राज्यसभा में बिल पारित होने के साथ ही परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने की दिशा में सरकार का यह बड़ा कदम माना जा रहा है। हालांकि, चर्चा के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच कई मुद्दों को लेकर तीखी नोकझोंक भी देखने को मिली।

सरकार ने हाल के वर्षों में विभिन्न प्रतियोगी और सार्वजनिक परीक्षाओं में प्रश्न-पत्र लीक तथा संगठित गड़बड़ियों की घटनाओं को देखते हुए यह संशोधन पेश किया है। सरकार का कहना है कि नए प्रावधानों से परीक्षा प्रक्रिया की शुचिता सुनिश्चित होगी, दोषियों की जवाबदेही तय होगी और संगठित तरीके से पेपर लीक कराने वाले गिरोहों

पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकेगा। विधेयक में अनुचित साधनों का इस्तेमाल करने और पेपर लीक जैसे अपराधों में शामिल लोगों के लिए पहले से कहीं अधिक कड़ी सजा का प्रावधान किया गया है। नए संशोधनों के तहत दोषियों को न्यूनतम पांच वर्ष की सजा होगी, जिसे परिस्थितियों के अनुसार बढ़ाकर दस वर्ष तक किया जा सकेगा। इसके अलावा अधिकतम जुर्माने की राशि 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 50 लाख रुपये करने का भी प्रस्ताव रखा गया है। वहीं, संगठित अपराधों के लिए, विधेयक में कम से कम सात साल की कैद और 10 करोड़ रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है।

सरकार का दावा है कि यह कानून केवल दोषियों को कड़ी सजा देने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि भविष्य में पेपर लीक जैसी घटनाओं पर रोक लगाने और छात्रों का परीक्षा व्यवस्था पर भरोसा मजबूत करने में भी अहम भूमिका निभाएगा। दोनों सदनों से विधेयक पारित होने के बाद अब इसके कानून बनने का रास्ता लगभग साफ हो गया है।

ध्वनिमत से पास हुआ बिल

इस बिल के कुछ क्लॉज में विपक्षी सदस्य जॉन ब्रिटास, एए रहीम, हरीश बीरान, संतोष कुमार पी ने संशोधन के नोटिस किए थे, लेकिन वोटिंग के समय सदन में मौजूद नहीं थे। पी विल्सन और तिरुचि शिवा ने संशोधन प्रस्तावित किए, जो संशोधन में गिर गए। यह बिल राज्यसभा में ध्वनिमत से पास हो गया। यह बिल लोकसभा से पहले ही पास हो चुका है। एंटी पेपर लीक बिल दोनों सदनों से पास होने के बाद अब कानून की शक्ल लेने से बस एक कदम दूर रह गया है। राष्ट्रपति के हस्ताक्षर करने के बाद नोटिफिकेशन जारी होते ही यह कानून बन जाएगा।

पंजाब सरकार 'बीड़' शब्द के लिए जागत ज्योत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार एक्ट में संशोधन करेगी

मालविंदर कंग ने कहा- एक्ट का मकसद सिर्फ आसामाजिक तत्वों को सज़ा देना है, श्रद्धालुओं को परेशान करना या सिख धार्मिक मामलों में दखल देना नहीं

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद मालविंदर सिंह कंग ने स्पष्ट किया कि पंजाब सरकार का बेअदबी विरोधी कानून सिर्फ उन लोगों को सख्त से सख्त सज़ा दिलवाने के लिए है जो जानबूझकर बेअदबी की घटनाओं को अंजाम देते हैं। उन्होंने कहा कि इस कानून का सिख धार्मिक मामलों, सिख रहत मर्यादा या धार्मिक संस्थाओं के अधिकारों में दखल देने का कोई इरादा नहीं है। गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कंग ने कहा कि भगवंत मान सरकार यह कानून सिख संगत की लंबे समय से चली आ रही मांग के जवाब में लेकर लाई है, ताकि जो बेअदबी की बार-बार होने वाली घटनाओं को रोकने के लिए एक मजबूत कानूनी ढांचा तैयार किया जा सके और दोषी सजा से बच न सकें।

उन्होंने कहा कि पंजाब विधानसभा द्वारा बिल को सर्वसम्मति से पास होने के बाद श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार साहिब ने कुछ सुझाव दिए थे। पंजाब सरकार ने उन सुझावों को पूरे सम्मान के साथ स्वीकार करते हुए बदलाव में शामिल करके ड्राफ्ट तैयार किया है। इन संशोधन आने वाले विधानसभा सेशन में पेश किए जाएंगे। कंग ने कहा कि आप सरकार श्री अकाल तख्त साहिब और सभी सिख धार्मिक संस्थाओं का बहुत सम्मान करती है। उन्होंने कहा, "हमारा मकसद कभी भी सिख धार्मिक मामलों में दखल देना नहीं रहा है। इस कानून का एकमात्र मकसद यह सुनिश्चित करना है कि जो कोई भी जानबूझकर बेअदबी करता है, उसे कानून के तहत पूरी सज़ा मिले।"

बिल में इस्तेमाल शब्दों के बारे में चिंताओं को स्पष्ट करते हुए, कंग ने कहा कि सरकार सिख परंपराओं अनुसार श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के लिए प्रयोग होने वाले सम्मानजनक शब्दों, जैसे 'बीड़' और 'सवरूप' को स्पष्ट रूप से शामिल करने के लिए संशोधन करेगी। उन्होने 'कस्टोडियन' की परिभाषा को स्पष्ट करते हुए कहा कि इसका मतलब मालिकाना हक नहीं है, बल्कि उस सेवादार या देखभाल करने वाले से है जिसे पवित्र स्वरूपों की सेवा और सुरक्षा सौंपी गई है। इसमें श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के रखरखाव के लिए जिम्मेदार कोई भी व्यक्ति, डेरा या गुरूद्वारा कमेटी शामिल है।

एससी/एसटी अधिनियम के तहत 2023 में दर्ज मामलों की संख्या बढ़कर 53,372 हुई

नई दिल्ली (जालंधर ब्रीज). सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने आज राज्यसभा के समक्ष अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के तहत पंजीकृत अनुसूचित जाति के सदस्यों के विरुद्ध अपराधों के राज्य/केंद्र शासित प्रदेश-वार विस्तृत आँकड़े प्रस्तुत किए, जो 2020 से 2024 तक की पाँच-वर्षीय अवधि को कवर करते हैं। ये आँकड़े राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) द्वारा संकलित और प्रकाशित किए जाते हैं, जो देश का आधिकारिक अपराध-आँकड़ा डेटाबेस 'क्राइम इन इंडिया' है और जिसकी रिपोर्ट 2024 तक उपलब्ध हैं। यह जानकारी सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास अठावले ने राज्यसभा में सांसद संजय सिंह के एक प्रश्न के लिखित उत्तर में दी।

लिखित जवाब में कहा गया है कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के तहत वर्ष 2020 में 45,995 मामले दर्ज किए गए, जिनमें से 36,178 मामलों में आरोपपत्र दाखिल किए गए, 17,113 मामले वर्ष के अंत तक जांच के अधीन रहे और 2,613 मामलों में दोषसिद्धि हुई। उस वर्ष कुल 61,925 लोगों को गिरफ्तार किया गया, 75,238 लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किए गए और 4,855 लोगों को दोषी ठहराया गया, जबकि वर्ष के अंत तक 177,379 मामले विचाराधीन रहे। 2021 में, दर्ज मामलों की संख्या लगभग 45,800 से 46,100 के बीच स्थिर रही, जिनमें से 37,123 मामलों में आरोपपत्र दाखिल किए गए और लगभग 16,300 से 16,400 मामलों की जांच लंबित रही। दोषसिद्धि की संख्या बढ़कर 2,848 हो गई, गिरफ्तारियों की कुल संख्या लगभग 58,700 से 58,800 रही और लगभग 74,000 से 74,100 व्यक्तियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किए गए। लंबित मुकदमों की संख्या बढ़कर लगभग 2,05,800 से 2,06,000 हो गई और 5,141 व्यक्तियों को दोषी ठहराया गया।

दिल्ली सरकार का बड़ा फैसला, प्रदर्शनकारी छात्र होंगे रिहा

नई दिल्ली. दिल्ली सरकार ने गुरुवार को कहा कि जंतर-मंतर पर 'कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) के विरोध प्रदर्शन में शामिल लोगों के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी, लेकिन यह भी साफ़ किया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक, आपराधिक रिकॉर्ड वाले लोगों को कोई सुरक्षा नहीं दी जाएगी। दिल्ली के गृह विभाग की ओर से जारी एक बयान में सरकार ने आगे कहा कि अगर प्रदर्शन के दौरान किसी व्यक्ति को हिरासत में लिया गया या गिरफ्तार किया गया, तो उसे रिहा कर दिया जाएगा, लेकिन ऐसा समीक्षा के बाद ही किया जाएगा। आदेश में कहा गया है कि गिरफ्तार लोगों को जल्द से जल्द रिहा किया जाएगा।

दूसरी ओर दिल्ली पुलिस ने सोशल मीडिया पर किए जा रहे इन दावों को बृहस्पतिवार को झूठ और भ्रामक बताया कि जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन करने पर रोक लगा दी गई है। पुलिस ने कहा कि यह जगह अब भी अनुमति लेकर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों के लिए उपलब्ध है। पुलिस ने स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर फैल रही यह अफवाह पूरी तरह बेबुनियाद और तथ्यहीन है कि अब जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की अनुमति नहीं है। पुलिस ने कहा कि जंतर-मंतर अब भी शांतिपूर्ण प्रदर्शनों के लिए अधिकृत स्थान है। यहां उच्चतम न्यायालय के निर्देशों और अदालती आदेश के अनुरूप दिल्ली पुलिस द्वारा जारी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुसार प्रदर्शन किए जा सकते हैं। मौजूदा एसओपी के तहत, सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी मिलने पर जंतर-मंतर पर अधिकतम 1,000 लोगों के जुटने की अनुमति दी जा सकती है। इससे पहले सोशल मीडिया पर यह दावा किया जा रहा था कि जंतर मंतर को विरोध-प्रदर्शनों के लिए बंद कर दिया गया है।

भारतीय टीम की ऑरेंज जर्सी को लेकर बवाल, हॉकी इंडिया ने कहा- सुझाव के बाद लिया फैसला

नई दिल्ली. हॉकी वर्ल्ड कप का आयोजन इस बार 15 अगस्त से लेकर 30 अगस्त तक बेल्जियम और नीदरलैंड की मेजबानी में किया जा रहा है। हॉकी इंडिया ने महिला और पुरुष दोनों के स्क्वाड का ऐलान पहले ही कर दिया था। अब हॉकी इंडिया ने मेगा टूर्नामेंट के लिए टीम इंडिया की नई जर्सी को भी लॉन्च कर दिया है जो केसरिया यानी ऑरेंज कलर में है। इस जर्सी के सामने आने के बाद से काफी बवाल मचा हुआ है जिसमें पूर्व भारतीय कप्तान वीरेन रासक्विन्हा ने नाराजगी जताते हुए सवाल उठाया है कि आखिर भारतीय हॉकी की पहचान रहे नीले रंग को बदलने की जरूरत क्यों पड़ी। अब इन सभी मुद्दों को लेकर हॉकी इंडिया की तरफ से जवाब भी सामने आ गया है जिसमें उन्होंने साफ कि जर्सी के रंग को सपोर्ट स्टाफ और खिलाड़ियों की तरफ से मिले सुझाव के बाद बदलने का फैसला लिया गया।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा कि हमारे सपोर्ट स्टाफ और खिलाड़ियों की तरफ से सुझाव आया था कि मैदान (ब्लू टर्फ) और प्लेइंग किट दोनों ही नीले रंग के हैं। इससे एक-दूसरे को पहचानने और विजिबिलिटी में काफी दिक्कत होती है। जर्सी के रंग का जो सुझाव आया था वो दो रंगों में आया था, जिसमें पहला पीला और दूसरा ऑरेंज। इसमें ऑरेंज रंग को चुना गया जो हमारे राष्ट्रीय ध्वज के तीन रंगों में भी शामिल है।

प्रियंका गांधी की 'गोमूत्र एक्सपर्ट' टिप्पणी पर 215 अकादमियों का फूटा गुस्सा

पीएम को दी सलाहकार बदलने की सलाह

नई दिल्ली. 200 से ज़्यादा शिक्षाविदों ने कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा को एक खुला पत्र लिखकर आईआईटी मद्रास के डायरेक्टर वी. कामाकोटी को गौमूत्र विशेषज्ञ बताने पर आपत्ति जताई है। 215 शिक्षाविदों के हस्ताक्षर वाले इस पत्र में कहा गया है कि मज़ाक उड़ाना, तर्कपूर्ण बातचीत का विकल्प नहीं हो सकता।

पत्र में कहा गया है कि हम आईआईटी मद्रास के डायरेक्टर प्रोफेसर वी. कामाकोटी को 'गोमूत्र एक्सपर्ट' बताने वाली आपकी टिप्पणी पर निराशा ज़ाहिर करने के लिए यह पत्र लिख रहे हैं। चाहे यह बात मज़ाक में कही गई हो या राजनीतिक बयानबाज़ी के तौर पर, इस तरह की टिप्पणी से ऐसी चिंताएँ पैदा होती हैं जो किसी एक व्यक्ति से कहीं आगे तक जाती हैं। प्रोफेसर कामाकोटी भारत के सबसे प्रमुख वैज्ञानिक और तकनीकी संस्थानों में से एक के प्रमुख हैं। पद्मश्री से सम्मानित कामाकोटी, नीट पेपर लीक कांड के बाद केंद्र सरकार द्वारा परीक्षा सुधारों पर बनाई गई छह सदस्यीय टास्क फोर्स के सदस्य हैं। प्रियंका ने मंगलवार को लोकसभा में बोलते हुए यह बात कही और सुझाव दिया कि प्रधानमंत्री को अपने सलाहकार बदल लेने चाहिए क्योंकि वे असलियत से बहुत दूर हो गए हैं।

उन्होंने कहा कि उन्हें यह समझने की ज़रूरत है कि सिर्फ़ नई कमेटियां बनाने से काम नहीं चलेगा। राधाकृष्णन कमेटी की एक भी सिफ़ारिश अब तक लागू नहीं की गई है। वहीं, नई कमेटी में आईबी के पूर्व चीफ, एक आईटी कंपनी के मालिक और यहाँ तक कि 'गौ-मूत्र' के जानकार भी

रक्षा मंत्री ने आईएएसवी त्रिवेनी के चालक दल को सम्मानित किया

राजनाथ सिंह ने कहा- तीनों सेनाओं की एकता और नारी शक्ति का प्रमाण है समुद्र प्रदक्षिणा

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 30 जुलाई, 2026 को तीनों सेनाओं की नौ महिला अधिकारियों को सम्मानित किया, जो भारतीय सेना के नौकायन पोत (आईएएसवी) त्रिवेनी से प्रथम त्रि-सेवा पूर्ण महिला समुद्री यात्रा 'समुद्र प्रदक्षिणा' को सफलतापूर्वक पूरा करके घर लौटी हैं। नई दिल्ली में इन महिला अधिकारियों से बातचीत करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चार महासागरों में लगभग 25,500 समुद्री मील की 314 दिनों की यात्रा को सफलतापूर्वक पूरा करने में टीम के साहस और दृढ़ संकल्प की प्रशंसा की। उन्होंने इस अभियान को नारी शक्ति का प्रमाण और तीनों सेना की एकता तथा उनमें तालमेल का उत्कृष्ट उदाहरण बताया, जो प्रत्येक भारतीय को प्रेरित करेगा।

महिला अधिकारियों ने श्री राजनाथ सिंह के साथ अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि इस अभियान की चुनौतीपूर्ण प्रकृति ने यात्रा को यादगार और फलदायी बनाया। उन्होंने कहा कि राष्ट्र को गौरवान्वित करने की उनकी अटूट प्रतिबद्धता ने उन्हें प्रेरित रखा और उन्हें शारीरिक तथा मानसिक चुनौतियों का सामना करने में सक्षम बनाया। रक्षा मंत्री ने कहा कि उनके समर्पण ने उन्हें प्रेरित किया और उनके स्वयं के संकल्प को और मजबूत किया। उन्होंने आगे कहा कि उनकी उपलब्धि यह दर्शाती है कि दृढ़ विश्वास और संकल्प जीवन में किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करने में कैसे सहायक हो सकते हैं। राजनाथ सिंह ने इन अधिकारियों की क्षमता और आत्मविश्वास को "अविश्वसनीय" बताते हुए कहा कि 'समुद्र प्रदक्षिणा' की सफल समाप्ति ने उन रूढ़ियों को तोड़ दिया है जिनमें कहा जाता था कि महिलाएं कठिन सैन्य अभियानों को अंजाम नहीं दे सकतीं। उन्होंने अधिकारियों से कहा, "आपने यह साबित कर दिया है कि शारीरिक क्षमता, मानसिक दृढ़ता और नेतृत्व क्षमता महिला-पुरूष भेद से परे हैं। भारत की हर बेटी आपको देखकर यह विश्वास कर सकती है कि वह भी समुद्र पार कर दुनिया को जीत सकती है।"

रक्षा मंत्री ने इस अभियान को 'त्रि-सेवा एकता' का एक उत्कृष्ट उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना, भारतीय नौसेना और भारतीय वायु सेना के अधिकारी एक ही ध्वज के नीचे एक ही पोत पर एक साझा मिशन को पूरा करने के लिए एक साथ रवाना हुए।" उन्होंने आगे कहा, "यह अभियान इस बात का प्रमाण है कि यदि हम साथ मिलकर आगे बढ़ें तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है।"

सुप्रीम कोर्ट से मंत्री संजीव अरोड़ा को बड़ा झटका, जमानत याचिका खारिज

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली/चंडीगढ़

पंजाब सरकार के मंत्री और लुधियाना पश्चिम से विधायक संजीव अरोड़ा को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी है। अरोड़ा ने स्वास्थ्य संबंधी आधार

पर जमानत की मांग की थी, लेकिन अदालत ने उन्हें राहत देने से इनकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), दिल्ली से संजीव अरोड़ा की मेडिकल रिपोर्ट तलब की थी। मेडिकल रिपोर्ट पर विचार करने के बाद अदालत ने उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी। जमानत याचिका खारिज होने के बाद संजीव अरोड़ा फिलहाल जेल में ही रहेंगे। इससे पहले उन्होंने गुरुग्राम की अदालत में घर का खाना और वाटर कूलर जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग करते हुए अलग-अलग याचिकाएं दायर की थीं, जिन्हें अदालत ने पहले ही खारिज कर दिया था।

गौरतलब है कि संजीव अरोड़ा ने 18 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में जमानत याचिका दायर की थी। इस पर पहली सुनवाई 20 जुलाई को हुई, जिसमें अदालत ने संबंधित पक्षों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। इसके बाद 24 जुलाई की सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने एम्स, दिल्ली से उनकी मेडिकल रिपोर्ट मंगाने का निर्देश दिया था। रिपोर्ट मिलने के बाद अदालत ने जमानत देने से इनकार करते हुए याचिका खारिज कर दी।

छत्तीसगढ़ का 'छोटा तिब्बत': यहां उल्टा बहता है पानी, दिखते हैं लद्दाख जैसे नजारे

Travelling भारत में घूमने और देखने के लिए काफी कुछ है लेकिन क्या आपने छत्तीसगढ़ के छोटा तिब्बत के बारे में सुना है। इस खूबसूरत जगह पर पानी उल्टी दिशा में बहता हुआ दिखता है और जमीन हिलती हुई। चलिए आपको इस सुंदर जगह के बारे में...

• **जालंधर ब्रीज** . फीचर

भारत की अलग-अलग जगहों पर मौजूद नदी, झरने, पहाड़, जमीन, आसमान, सांस्कृति-सभ्यता की अपनी अलग सुंदरता है और यही वजह है कि इसे विविधताओं वाला देश कहा जाता है। आजकल लोग लद्दाख घूमने का प्लान खूब बनाते हैं और फिर बजट देखकर कैंसिल कर देते हैं। अगर आप भी लद्दाख जाने का प्लान कर रहे हैं लेकिन वहां नहीं जा पा रहे, तो कम बजट में छत्तीसगढ़ की खूबसूरत जगह को देख आइये। इस जगह को भारत का छोटा तिब्बत कहा जाता है और यहां पर आपको लद्दाख जैसे खूबसूरत नजारे भी देखने को मिलेंगे।

छत्तीसगढ़ की कौन सी जगह है?

छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में स्थित मैनपाट गांव को भारत का छोटा तिब्बत कहा जाता है। ये जगह शांत, हरियाली से भरपूर, खूबसूरती के लिए जानी जाती है। मैनपाट की खूबसूरत वादियों को देखकर आप शिमला-मनाली को भूल जाएंगे। साथ ही इस जगह की संस्कृति, खानपान और मठ-मंदिर तिब्बत की सभ्यता को दर्शाते हैं।

क्यों कहलाता है भारत का छोटा तिब्बत

10 मार्च 1959 को तिब्बत पर चीन के कब्जे के बाद वहां के बहुत से शरणार्थी भारत आकर बस गए। इनमें से एक बसेरा बना मैनपाट और कई तिब्बती यहां रहने लगे। शुरुआत में तिब्बती लोगों ने यहां पर कैंप बनाकर रहना शुरू किया और फिर धीरे-धीरे उन्होंने अपने घर बनाए। उसके बाद से यहां पर कुछ तिब्बती रह रहे हैं और कुछ सरगुजा जिले और उसके आस-पास के लोग भी रहते हैं।

मैनपाट में घूमने-देखने को है काफी कुछ

मैनपाट सिर्फ खूबसूरती के लिए नहीं बल्कि अपनी कुछ अनोखी चीजों के लिए भी मशहूर है। यहां पर पानी उल्टी दिशा में बहता है और जमीन थुलथुली सी महसूस होती है। अगर आप मैनपाट जाएं, तो इन खास जगहों को एक्सप्लोर करना बिल्कुल न भूलें।

बिसरपानी गांव का उल्टा पानी-

मैनपाट के करीब में बसा है बिसरपानी गांव, जहां पर पानी नीचे से ढलान की ओर जाता हुआ दिखाई देता है। साधारण तौर पर पानी ढलान से नीचे गिरता है लेकिन वहां ऐसा नहीं होता। इसे साइंस में ग्रेविटी हिल माना जाता है, यहां गुरुत्वाकर्षण (Gravity) सामान्य ही रहता है। पानी वास्तव में नीचे की ओर ही बहता है, लेकिन देखने पर ऐसा लगता है कि वह ऊपर की ओर जा रहा है।

जलजली-

छत्तीसगढ़ में ही मौजूद इस जगह को जंपिंग लैंड भी कहा जाता है। जलजली एक घास से ढका दलदली (Marshy) इलाका है, जहां जमीन पर उछलने या जोर से पैर रखने पर पूरी सतह हिलती या उछलती हुई महसूस होती है। इसी वजह से इसका नाम "जलजली" पड़ा। जलजली की जमीन के नीचे पानी, पीट (Peat), जैविक पदार्थ और हवा की परतें मौजूद हैं, जब भी कोई इस पर जोर से कूदता है तो जमीन पूरी सतह स्पंज या गद्दे की तरह हिलने लगती है।

तिब्बती बौद्ध मंदिर-

मैनपाट में आपको तिब्बती बौद्ध मंदिर के दर्शन भी करने को मिलेंगे। दलाई लामा के अनुयायियों ने यहां पर इस मंदिर का निर्माण कराया था और आज भी तिब्बती लोग यहां पर दर्शन के लिए जाते हैं।

टाइगर मेन प्वाइंट-

मैनपाट में आप टाइगर मेन प्वाइंट भी घूमने जा सकते हैं। हरी-भरी वादियों और प्राकृति के करीब जाना चाहते हैं, तो यहां जरूर जाएं।

यहां करीब 50-60 फीट ऊंचाई से पानी गिरता है, जो मानसून के दौरान बेहद आकर्षक दिखाई देता है। खास बात ये है कि नीचे तक जाने के लिए सीढ़ियां बनी हैं, जहां पर्यटक झरने को करीब से देख सकते हैं।

LIFE LESSON

पैसे उधार दिए थे और वापस नहीं कर रहा, तो इन तरीकों से मांगे

दोस्त वक्त-बेवक्त आपसे पैसे उधार मांग लेते हैं और फिर वापस लौटाने के नाम पर आपको बेवकूफ बनाते हैं तो इन टिप्स को जरूर याद रखें। पैसे वापस मांगने में मदद मिलेगी।

• **जालंधर ब्रीज** . फीचर

क्या आपके पास ऐसे दोस्त हैं जो वक्त-बेवक्त 200, 500-1000 रुपये मांग लेते हैं। और ऐसे मौके पर मांगते हैं कि आप उन्हें मना ही नहीं कर पाते हैं। फिर जब लौटाने का टाइम आता है तो कोई बोलता है मैं भूल गया, कोई बोलता है कि कर दूंगा वापस। हर बार ऐसे टके से जवाब सुन आप चुप रह जाते हैं और आपके पैसे उधार में फंसे हैं तो इन तरीकों को याद रखें। जिसकी मदद से बिना बात बिगाड़े, बिना ऊंचा बोले आप अपने पैसे को वापस से मांग सकते हैं।

ये टिप्स आपको पैसे वापस मांगने में मदद करेंगे और रिकवरी के चांस बढ़ जाएंगे।

पिछले पैसे वापस मांगने से पहले आगे पैसे उधार देने से पहले कुछ रूल्स बनाएं, जिससे आपके पैसे डूबे नहीं।

लिखित में रिकॉर्ड रखें

उधार पैसे देने हैं तो कभी भी मुंह से फोन पर मांगने या कैश देने की गलती ना करें। इस तरह के ट्रांसजैक्शन को लोग भूल जाने का बहाना सबसे पहले बनाते हैं। इसलिए जब भी पैसे दें तो उसका लिखित रिकॉर्ड रखें। जैसे हमेशा पैसे ऑनलाइन ट्रांसफर ही करें और उस पैसे ट्रांसफर के स्क्रीनशॉट को भेजकर अमाउंट लिखें। साथ ही लिख दें कि जब पैसे हों तो वापस कर दें। इस तरह का लिखित रिकॉर्ड उन लोगों के लिए काम करता है जो अक्सर पैसे देना भूल जाने का बहाना बनाते हैं।

पैसे देने के पहले ही पूछ लें कब तक वापस दोगे

जब भी पैसे कोई मांग रहा हो तो उससे बेहद साफ शब्दों में पूछ लें कि कब तक पैसे वो वापस करेगा। थोड़े से पैसे वापस करने की डेट बहुत लंबी ना हो। 1000-500 रुपये किसी दोस्त ने किसी बिल पेमेंट के नाम पर लिए हैं तो उसे चुकाने के लिए जल्दी दे दूंगा जैसे शब्दों से सावधान रहे। अगर कोई बोले कि अगले महीने की सैलरी आते ही दे दूंगा तो भरोसा किया जा सकता है। आमतौर पर लोगों के पास सैलरी खत्म हो जाती है तो उन्हें पैसों की जरूरत पड़ती है।

रिमाइंडर जरूर दें

जब भी पैसे के लिए डेट लें, उसके अगले दिन ड्यू डेट के बाद उसे मैसेज के जरिए रिमाइंड कराएं कि कल इतनी तारीख थी। जब सही लगे तो पैसे ट्रांसफर कर दें। इस तरह के रिमाइंडर आपकी दोस्ती को कमजोर नहीं करेंगे और ना ही ये बुरा बर्ताव है। पैसे वापस मांगना आपका हक है, विनम्र तरीके से किया मैसेज जरूरी होता है।

सबसे जरूरी लाइफ लेसन

अगर आपके उधार पैसे सामने वाला इंसान दो से तीन रिमाइंडर के बाद भी नहीं दे रहा तो सावधान हो जाएं। ये आपके लिए लेसन है कि फ्यूचर में कितनी भी मुसीबत हो उस इंसान को पैसे उधार नहीं देने हैं। क्योंकि किसी भी इंसान के लिए ट्रस्ट सबसे जरूरी होता है। अगर एक बार विश्वास टूट जाए तो दोबारा मुसीबत पड़ने पर भी आपको पैसे उधार नहीं देने चाहिए।

सब्जी नहीं! 1 बार तुरई की ये चटपटी सी चटनी ट्राई करें, बच्चे भी उंगलियां चाटकर खाएंगे

तुरई की सब्जी खा कर बोर हो गए हैं घरवाले तो एक बार ये चटपटी सी चटनी बनाकर जरूर ट्राई करें। इसका स्मोकी फ्लेवर इतना बढ़िया लगता है कि बच्चों को भी खूब पसंद आएगी। आप इसे रोटी, पराठे या चावल...

• **जालंधर ब्रीज.** रेसिपी

तुरई सेहत के लिए बड़ी फायदेमंद होती है, लेकिन इसका नाम सुनते ही बच्चों का तो मुंह बन जाता है। बच्चे तो बच्चे अक्सर बड़े भी तुरई की सब्जी खाना पसंद नहीं करते। ऐसे में क्यों ना आप तुरई की चटनी एक बार ट्राई करें? ये बहुत ज्यादा चटपटी और टेस्टी बनती है। बेस्ट बात है कि तुरई की चटनी बनाने में टाइम भी नहीं लगता और इसे आप रोटी, पराठे या चावल किसी के साथ भी खा सकते हैं। बच्चे तुरई खाना पसंद नहीं करते तो एक बार उन्हें ये चटनी बनाकर खिलाएं, इसका चटपटा और स्मोकी फ्लेवर उन्हें इतना पसंद आएगा कि अगली बार खुद कह कर बनवाएंगे। ये सिर्फ टेस्टी ही नहीं होती, बल्कि बहुत पौष्टिक भी होती है। ऐसे में बच्चों की डाइट में हेल्दी फूड शामिल करने का भी ये एक अच्छा तरीका है। तो चलिए फटाफट से तुरई की चटनी की रेसिपी देख लेते हैं।

तुरई की चटनी बनाने के लिए सामग्री

तुरई की चटपटी और स्मोकी फ्लेवर वाली चटनी बनाने के लिए आपको जिन सामग्रियों की जरूरत होगी वो हैं- मोटी तुरई (2-3), टमाटर (2), एक पूरा लहसुन, हरी मिर्च (3-4), ताजा हरा धनिया, साबुत सूखी लाल मिर्च (2-3), जीरा (1 चम्मच), स्वादानुसार नमक, नींबू का रस (ऑप्शनल)।

इस तरह बनाएं स्मोकी फ्लेवर वाली तुरई की चटनी

तुरई की सब्जी पसंद नहीं है, तो एक बार ये चटनी जरूर बनाकर ट्राई करें। रोटी, पराठे या चावल सभी के साथ ये बहुत ज्यादा टेस्टी लगती है। खासकर इसका स्मोकी फ्लेवर और चटपटा स्वाद बच्चों को खूब पसंद आता है। यहां देखें स्टेप बाय स्टेप इसे कैसे बनाना है-

स्टेप 1- स्मोकी फ्लेवर के लिए तुरई, टमाटर और एक पूरे लहसुन को गैस की फ्लेम पर रोस्ट कर लें, जिस तरह भर्ते के लिए बैंगन को किया जाता है। तुरई थोड़ी मोटी साइज वाली लें, ताकि भूनने में आसानी हो।

(टिप- कुछ लोगों को स्मोकी फ्लेवर पसंद नहीं होता है। ऐसे में आप तुरई, टमाटर और लहसुन को हल्का सा उबाल सकते हैं। इस तरह भी चटनी काफी टेस्टी बनती है।)

स्टेप 2- रोस्ट करने के बाद इन्हें ठंडा कर लें, फिर टमाटर और तुरई का छिलका निकाल दें। साथ ही लहसुन की कलियां निकालकर इन्हें छील लें।

स्टेप 3- अब सिलबट्टे पर हरी मिर्च, ताजा हरा धनिया, साबुत सूखी लाल मिर्च, लहसुन की कलियां, जीरा और नमक डालकर दरदरा सा पीस लें। फिर टमाटर और तुरई एड करें और सभी चीजों को अच्छी तरह से पीसकर चटनी तैयार कर लें।

नोट- वैसे तो ये चटनी आप मिक्सर में भी बना सकते हैं, लेकिन इसका असली स्वाद सिलबट्टे पर ही आता है। ऐसे में एक बार सिलबट्टे पर इसे बनाकर जरूर ट्राई करें।

स्वाद की टिप- चटनी बनने के बाद आप इसमें ऊपर से थोड़ा सा नींबू का रस भी डाल सकते हैं। इससे चटनी का फ्लेवर क्यों गुना बढ़ जाता है।

सर्विंग टिप- तुरई की ये चटनी चावल के साथ खूब टेस्टी लगती है। वैसे आप इसे रोटी या पराठे के साथ भी सर्व कर सकते हैं। इसका फ्लेवर सब्जी से बहुत अलग और टेस्टी होता है।

PARENTING

स्क्रीन की लत छुड़वाने के लिए मैंने अपनाए ये तरीके

जालंधर ब्रीज (फीचर) . आजकल बच्चे 1-2 साल होते हैं और उन्हें मोबाइल-टीवी में कार्टून देखने की उन्हें लत लग जाती है। हालत ये हो जाती है कि बच्चा बिना मोबाइल या टीवी देखे खाने का एक कौर तक नहीं लेता। स्क्रीन दिखाते हुए बच्चे को पूरा खाना आसानी से खिला देना काफी सिंपल है लेकिन ये बच्चे के स्वास्थ्य के लिए बुरा है। स्क्रीन की लत से न सिर्फ बच्चे की आंखों पर बुरा असर होता है, बल्कि उसके मानसिक विकास पर भी गहरा प्रभाव पड़ता है।

1- कलर, स्लाइम, क्ले क्रिएटिव चीजें करने दें

अगर आप ये सोचेंगे कि बच्चा शांति से एक जगह बैठा रहे और घर साफ बना रहें, तो बच्चा बचपन नहीं जी पाएगा और फिर वह स्क्रीन ही देखेगा। ऐसे में मैंने अपनी बेटी को कलर, क्ले, स्लाइम जैसे क्रिएटिव चीजें करने के लिए दी। इन चीजों में बच्चे घंटों तक इंगेज रहते हैं। अगर आपके पास समय है, तो आप भी इनसे कुछ चीजें बनाकर बच्चे को दिखाएं।

2- खाने के साथ कहानियां सुनाओ

बच्चे रात को सोने से पहले नानी-दादी से कहानियां सुनते थे लेकिन अब आपको ये तरीका उसके खाना खाते समय अपनाना होगा। जैसे मैं अपनी बेटी को मेरे बचपन की बातें, यादें सुनाती हूं, कभी-कभार जंगल, शेर, खरगोश या फिर किसी देवी-देवता की कहानी सुनाना शुरू कर देती है। वह कहानी में दिलचस्पी लेते हुए सुनती रहती है और खाना फिनिश कर देती है। इसके साथ ही खाने की प्लेट को थोड़ा सा मजेदार और कलरफुल भी रखें। दाल, चावल, रोटी, सब्जी के साथ सलाद भी रखें। बच्चा कई चीजें देखता है, तो वह खुद खाने लगता है।

3- आउटडोर एक्टिविटीज पर किया फोकस

मैंने बेटी की आउटडोर एक्टिविटीज पर फोकस बढ़ाया और उसे स्वीमिंग कराने के लिए लेकर गई, तो कभी बॉल खेलने के लिए, साथ ही शाम को रोजाना आधे घंटे साइकिलिंग कराती हूं। घर में बंद बच्चे बोर हो जाते हैं और बाहर उन्हें मजा आती है। बच्चे को स्क्रीन से दूर रखना है, तो ये तरीका भी अपनाएं।

4- दिमाग लगाने वाले टैकल गेम्स दिए

मैंने अपनी बेटी को ब्लॉक, अल्फाबेट्स, नंबर्स लगाने वाले ब्रेन गेम्स देने शुरू किए। शुरुआत में मैं खुद उसके साथ बैठकर सब लगाती थीं, जब उसने सीख लिया तो खुद ही लगाने लगीं और इसमें उसे मजा आने लगा। इन चीजों को ट्राई करके मैंने अपनी बेटी की मोबाइल की लत बिल्कुल छुड़वा दी है। अब वह पूरे दिन में सिर्फ आधे घंटे टीवी देखती हैं। एक जरूरी बात ये भी है कि हम खुद भी उसके आगे फोन नहीं चलाते हैं। बहुत जरूरी होने पर ही इस्तेमाल करते हैं और यही वजह है कि शायद वह मोबाइल में कार्टून देखना पूरी तरह से भूल चुकी है।

नीम की निबौली को हल्के में ना लें, पहले जानिए इसे खाने के बड़े फायदे

Health स्वाद में कड़वा होने की वजह से ज्यादातर लोग नीम के फल से दूरी बनाते हैं। लेकिन इसमें ऐसे कई प्राकृतिक गुण पाए जाते हैं, जो सही मात्रा में सेवन करने पर सेहत के लिए फायदेमंद हो सकते हैं।

• **जालंधर ब्रीज.** हेल्थ केयर

नीम को आयुर्वेद में लंबे समय से एक गुणकारी पेड़ माना जाता है। इसकी पत्तियां, छाल और टहनियां तो अक्सर इस्तेमाल की जाती हैं, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि इसका छोटा-सा फल, जिसे कई जगह निबौली भी कहा जाता है, पोषक तत्वों और प्राकृतिक गुणों से भरपूर होता है।

स्वाद कड़वा होने की वजह से लोग इसे खाना पसंद नहीं करते, लेकिन सही तरीके और सीमित मात्रा में इसका सेवन शरीर को कई तरह के लाभ पहुंचा सकता है। हालांकि हर व्यक्ति की सेहत अलग होती है, इसलिए इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करने से पहले इसकी सही जानकारी और जरूरत पड़ने पर विशेषज्ञ की सलाह लेना जरूरी है।

नीम की निबोली के 5 बड़े फायदे

रोगों से लड़ने की क्षमता: निबोली में ऐसे प्राकृतिक गुण पाए जाते हैं, जो शरीर की रोगों से लड़ने की क्षमता को सहारा देते हैं। सही मात्रा में इसका सेवन करने से शरीर को स्वस्थ रखने और मौसमी बीमारियों से बचाव में मदद मिल सकती है।

त्वचा के लिए फायदेमंद: नीम का फल त्वचा को स्वस्थ रखने में मदद कर सकता है। इसके प्राकृतिक गुण त्वचा से जुड़ी कुछ सामान्य परेशानियों को कम करने में सहायक हैं।

बेहतर पाचन: अगर सीमित मात्रा में नीम का फल खाया जाए, तो यह पाचन तंत्र को बेहतर तरीके से काम करने में मदद कर सकता है। हालांकि जरूरत से ज्यादा खाने पर पेट खराब होने या दूसरी दिक्कतें हो सकती हैं।

शरीर को बाहरी नुकसान से बचाने में सहायक: इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट शरीर की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाने वाले तत्वों के असर को कम करने में मदद करते हैं।

मुंह की साफ-सफाई के लिए: नीम का इस्तेमाल लंबे समय से दांतों और मसूड़ों की देखभाल के लिए किया जाता रहा है। इसका फल भी मुंह को साफ रखने और दांतों व मसूड़ों को स्वस्थ बनाए रखने में मददगार है।

किन लोगों को सावधानी रखनी चाहिए?

गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को बिना विशेषज्ञ की सलाह के इसका सेवन नहीं करना चाहिए।

छोटे बच्चों को नीम का फल देने से पहले डॉक्टर की सलाह लें।

अगर आप किसी बीमारी की दवा ले रहे हैं, तो पहले अपने डॉक्टर से सलाह जरूर करें।

जरूरत से ज्यादा मात्रा में इसका सेवन करने से बचें।

नीम का फल कैसे खाएं?

नीम का फल पूरी तरह पकने के बाद ही खाना चाहिए। कच्चा फल बहुत ज्यादा कड़वा हो सकता है। पके हुए नीम के फल को अच्छी तरह धोकर उसका गूदा खाया जा सकता है। इसकी गुठली को नहीं खाना चाहिए। चूंकि इसका स्वाद कड़वा होता है, इसलिए शुरुआत में बहुत कम मात्रा से ही सेवन करें।

"आत्मनिर्भर पंचायतें 2047 में विकसित भारत के सपने को साकार करने की कुंजी हैं": राजीव रंजन सिंह

• **जालंधर ब्रीज .** नई दिल्ली

पंचायती राज एवं मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने नई दिल्ली के कृषि भवन में आयोजित एक समारोह में आत्मनिर्भर पंचायत कार्यक्रम, समर्थ पंचायत पोर्टल का शुभारंभ किया और पंचायती राज संस्थाओं के लिए राजस्व के स्वयं के स्रोत (ओएसआर) नियमों का मॉडल जारी किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री को पंचायत उन्नति सूचकांक (पीएआई) – डेटा संचालित शासन फॉर विकसित भारत के लिए राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार (एनएईजी) 2026 के तहत मंत्रालय को दिए गए स्वर्ण पुरस्कार के लिए ट्रॉफी और प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया। इस अवसर पर पंचायती राज राज्य मंत्री प्रो. एस.पी. सिंह बघेल, पंचायती राज मंत्रालय के सचिव विवेक भारद्वाज और मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर बोलते हुए राजीव रंजन सिंह ने कहा कि आत्मनिर्भर पंचायत कार्यक्रम, समर्थ पंचायत पोर्टल और आदर्श ओएसआर नियम, विकसित भारत-2047 के विजन के अनुरूप, वित्तीय रूप से सशक्त, तकनीकी रूप से सक्षम और आत्मनिर्भर पंचायतों के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। उन्होंने कहा कि पंचायती राज संस्थाएं भारत की लोकतांत्रिक और विकास यात्रा का केंद्र हैं। डिजिटल उपकरणों और स्थायी राजस्व स्रोतों से इन्हें मजबूत करने से जमीनी स्तर पर शासन में सुधार होगा और समावेशी ग्रामीण विकास में तेजी आएगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आत्मनिर्भर पंचायत कार्यक्रम पंचायतों को स्थानीय संपत्तियों और अवसरों की पहचान करने और उन्हें स्थायी राजस्व सृजन परियोजनाओं में परिवर्तित करने में सक्षम बनाएगा। उन्होंने कहा कि समर्थ पंचायत पोर्टल पंचायत राजस्व के सुचारू और पारदर्शी कराधान, भुगतान और निगरानी को सुगम बनाएगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ये पहलें स्वयं के राजस्व (ओएसआर) को मजबूत करने पर सोलहवें वित्त आयोग की सिफारिशों के अनुरूप हैं। सिंह ने निर्वाचित प्रतिनिधियों और पंचायती राज संस्थाओं और राष्ट्रीय लोकपाल संघों के पदाधिकारियों से पारदर्शिता को और बढ़ाने, सहभागी लोकतंत्र को मजबूत करने और जमीनी स्तर पर नागरिक-केंद्रित शासन को बढ़ावा देने के लिए इन पहलों का प्रभावी ढंग से उपयोग करने का आग्रह किया।

आत्मनिर्भर पंचायत कार्यक्रम

आत्मनिर्भर पंचायत कार्यक्रम पंचायती राज मंत्रालय की एक अनूठी पहल है, जो ग्राम पंचायतों और ब्लॉक पंचायतों को स्थानीय संसाधनों और अवसरों की पहचान करने और मंत्रालय के समर्पित तकनीकी सहयोग से उन्हें विकसित करने में सक्षम बनाती है। इसका उद्देश्य स्थायी परिचालन लागत (ओएसएसआर) का निर्माण करने वाली, ऋण योग्य, राजस्व उत्पन्न करने वाली परियोजनाओं में उनका समावेश करना है। वित्तपोषण सार्वजनिक-निजी भागीदारी, कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व योगदान, अन्य योजनाओं के समन्वय और बैंक वित्त के माध्यम से सुगम बनाया जाता है, जिसमें नाबार्ड और एचयूडीको संस्थागत भागीदार हैं। चार वर्षों में कुल 350 परियोजनाएं विकसित की जानी हैं, जिनमें पहले वर्ष में 50 परियोजनाएं और अगले तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष 100 परियोजनाएं शामिल हैं। कम से कम 50 लाख रुपये की ओएसएसआर वाली ग्राम पंचायतें और कम से कम 1 करोड़ रुपये की ओएसएसआर वाली ब्लॉक पंचायतें, जिनका कार्यकाल कम से कम तीन वर्ष शेष हो, आवेदन करने के लिए पात्र हैं। विशेष श्रेणी के राज्यों के लिए सीमा में छूट दी गई है। अब तक दस राज्यों में पंचायत प्रतिनिधियों के लिए कार्यक्रम पर जागरूकता कार्यशालाएं आयोजित की जा चुकी हैं। अधिक जानकारी के लिए देखें: https://egramswaraj.gov.in/atmanibharguidelines.do/आत्मनिर्भर पंचायत कार्यक्रम

समर्थ पंचायत पोर्टल

समर्थ पंचायत पोर्टल पंचायती राज मंत्रालय की अपनी तरह की पहली डिजिटल पहल है, जिसे प्रौद्योगिकी-आधारित ओएसआर प्रबंधन के माध्यम से ग्राम पंचायतों की वित्तीय क्षमता को मजबूत करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। एक एकीकृत, विन्यास योग्य राष्ट्रीय मंच के रूप में विकसित, समर्थ ग्राम पंचायतों को करदाता पंजीकरण और मांग सृजन से लेकर ऑनलाइन भुगतान, संग्रह और वास्तविक समय की निगरानी तक, संपूर्ण ओएसआर जीवनचक्र को डिजिटल रूप से प्रबंधित करने में सक्षम बनाता है। यह लॉन्च सोलहवें वित्त आयोग की सिफारिशों का पूरक है, जिसने पंचायती राज संस्थाओं/आरएलबी की वित्तीय स्थिरता में सुधार के लिए उनके ओएसआर को मजबूत करने पर जोर दिया है। छत्तीसगढ़ और हिमाचल प्रदेश पहले ही पोर्टल पर शामिल हो चुके हैं, जहां 51 लाख से अधिक करदाता पंजीकृत हैं, 95 करोड़ रुपये के मांग नोटिस जारी किए गए हैं और अब तक 27 करोड़ रुपये से अधिक का संग्रह किया गया है। महाराष्ट्र, मिजोरम, असम, हरियाणा, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश में भी पोर्टल पर शामिल होने की प्रक्रिया जारी है। अधिक जानकारी के लिए देखें: www.samarthpanchayat.gov.in / समर्थ पंचायत पोर्टल

पंचायती राज संस्थाओं के लिए आदर्श ओएसआर नियम

पंचायती राज संस्थाओं की वित्तीय स्वतंत्रता को सुदृढ़ करने के लिए, पंचायती राज मंत्रालय ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए मार्गदर्शक ढांचे के रूप में राजस्व के स्वयं के स्रोतों (ओएसआर) नियमों का मॉडल तैयार किया है। सोलहवें वित्त आयोग की अनुशंसाओं पर आधारित, इन मॉडल नियमों का उद्देश्य राज्यों को संपत्ति कर, उपयोग शुल्क, फीस और अन्य गैर-कर राजस्व जैसे पंचायत राजस्व के आकलन, संग्रह और प्रबंधन के लिए एक पारदर्शी, एकसमान और कुशल प्रणाली बनाने में सहायता करना है। ये मॉडल नियम सलाहकारी प्रकृति के हैं और राज्य इन्हें अपनी स्थानीय आवश्यकताओं और मौजूदा कानूनी ढांचे के अनुसार अपना सकते हैं या इनमें बदलाव कर सकते हैं। इस पहल का उद्देश्य बेहतर राजस्व जुटाना, स्थानीय शासन को सुदृढ़ करना और पंचायतों को अधिक वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर बनाना है, साथ ही ग्रामीण नागरिकों को बेहतर सेवा प्रदान करना है।

राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार 2026 में मान्यता

पंचायत उन्नति सूचकांक सहित पंचायती राज से संबंधित चार पहलों को 1 से 2 जुलाई 2026 तक जयपुर में आयोजित ई-गवर्नेंस पर 29वें राष्ट्रीय सम्मेलन में ई-गवर्नेंस 2026 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जिसमें तीन स्वर्ण और एक रजत पुरस्कार शामिल हैं, जो डेटा संचालित, जमीनी स्तर के डिजिटल शासन में पंचायती राज क्षेत्र के बढ़ते नेतृत्व को दर्शाता है।

एन. एस. एन. आई. एस. पटियाला में कारगिल विजय दिवस पर साइकिल रैली

• **जालंधर ब्रीज .** पटियाला

'ऑपरेशन विजय' के नायकों को सच्ची श्रद्धांजलि देते हुए, नेताजी सुभाष नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ़ स्पोर्ट्स (NSNIS), पटियाला ने कारगिल विजय दिवस पर "संडेज़ ऑन साइकिल" पहल का एक विशेष आयोजन किया। इस कार्यक्रम का मकसद शारीरिक फिटनेस, देशभक्ति और पर्यावरण के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना और साथ ही सेना और नागरिकों के बीच संबंधों को मजबूत करना था।

NSNIS पटियाला के अधिकारियों, कोच, स्टाफ और ट्रेनीज़ के साथ-साथ ऐरावत डिवीजन साइकिलिंग टीम और 10 गार्ड्स बटालियन के 100 से ज़्यादा प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह के साथ इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया। सभी टीमों ने मिलकर 30किलोमीटर का साइकिलिंग रूट पूरा किया और राष्ट्रीय एकता, फिटनेस और पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली के प्रति अपनी साझा प्रतिबद्धता दिखाई। इसके अलावा, प्रतिभागियों ने रास्ते में 'स्वच्छ भारत सफाई अभियान' भी चलाया, जिससे स्वच्छता और नागरिक जिम्मेदारी की भावना को और बल मिला। कार्यक्रम में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए, NSNIS पटियाला के सीनियर एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर (SED) ने 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान सर्वोच्च बलिदान देने वाले बहादुर सैनिकों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि कारगिल विजय दिवस देश की संप्रभुता की रक्षा में भारतीय सशस्त्र बलों के साहस, समर्पण और अटूट प्रतिबद्धता की हमेशा याद दिलाता है।

"संडेज़ ऑन साइकिल" कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, SED ने इस बात पर ज़ोर दिया कि नियमित साइकिलिंग न केवल व्यक्तिगत फिटनेस और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देती है, बल्कि स्वच्छ परिवहन के माध्यम से पर्यावरण को हरा-भरा रखने में भी मदद करती है। उन्होंने सभी उपस्थित लोगों से रोज़ाना व्यायाम को अपनी आदत बनाने और 'फिट इंडिया मूवमेंट' के सक्रिय एंबेसडर के तौर पर काम करने का आग्रह किया।

राष्ट्रीय ई-विधान एप्लिकेशन के विस्तार की दिशा में बड़ी उपलब्धि, 33 विधानसभाओं ने दिखाई सहमति

• **जालंधर ब्रीज .** नई दिल्ली

37 राज्य/केंद्र शासित प्रदेश विधानसभाओं में से 33 विधानसभाओं ने राष्ट्रीय ई-विधान एप्लिकेशन (एनईवीए) के कार्यान्वयन के लिए समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इनमें से 21 विधानसभाओं को एनईवीए परियोजना के तहत डिजिटल विधानसभाओं में परिवर्तित किया जा चुका है। संसद के दोनों सदनों का डिजिटलीकरण एनईवीए परियोजना के दायरे से बाहर है।

एनईवीए ने सदन के कामकाज की इलेक्ट्रॉनिक प्रक्रिया को सक्षम बनाकर विधायी कार्यप्रणाली की दक्षता में सुधार किया है। इसने कागजी प्रक्रियाओं पर निर्भरता कम की है, विधायी कामकाज की त्वरित प्रक्रिया और प्रसार को सुगम बनाया है, विधायी जानकारी की सुलभता में सुधार किया है, और दस्तावेजों की छपाई, रखरखाव तथा भंडारण में लागत बचत की है।

नीति आयोग ने एनईवीए परियोजना का मध्यावधि मूल्यांकन किया गया है। मूल्यांकन रिपोर्ट में अन्य बातों के अलावा यह पाया गया है कि एनईवीए ने कागज़ के उपयोग को कम किया है और विधायी कार्यप्रवाह को बेहतर बनाया है। विधानसभाओं और सरकारी विभागों के बीच बेहतर समन्वय से विधायी कार्यों की त्वरित प्रक्रिया सुगम हुई है और एनईवीए का सार्वजनिक पोर्टल विधायी दस्तावेजों तक तत्क्षण पहुंच प्रदान करता है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि एनईवीए सेवा केंद्रों की स्थापना सहित क्षमता निर्माण पहलों ने हितधारकों को तकनीकी सहायता और प्रशिक्षण प्रदान करके इस प्लेटफॉर्म को अपनाने में सहयोग दिया है।

उपयोगकर्ता की प्रतिक्रिया और परिचालन आवश्यकताओं के आधार पर एनईवीए एप्लिकेशन को समय-समय पर अपग्रेड किया जाता है। साइबर सुरक्षा बढ़ाने के लिए एनईवीए एप्लिकेशन को सुरक्षित एनआईसी मेघराज 2.0 क्लाउड इन्फ्रास्ट्रक्चर पर माइग्रेट कर दिया गया है। भाषिणी के साथ एकीकरण से सार्वजनिक पोर्टल की सामग्री का शब्दश: अनुवाद संभव हो गया है, जिससे भाषाई सुगमता में सुधार हुआ है। एप्लिकेशन को डिवाइस-इंडिपेंडेंट प्लेटफॉर्म के रूप में डिज़ाइन किया गया है ताकि सभी डिवाइसों में इसका उपयोग किया जा सके। भूमिका-आधारित डैशबोर्ड, विधायी दस्तावेजों की वर्कफ़्लो-आधारित इलेक्ट्रॉनिक प्रोसेसिंग आदि विभिन्न उपयोगकर्ता भूमिकाओं जैसे सदस्यों, विधानमंडलों के सचिवालय और सरकारी विभागों के बीच समन्वय सुनिश्चित करते हैं। संसदीय कार्य राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने आज राज्यसभा में लिखित जवाब में यह जानकारी दी।

दूरसंचार विभाग की 100 5G यूज़ केस लैब्स पहल के तहत उत्कृष्टता के लिए पंजाब LSA के दो संस्थान सम्मानित

जालंधर ब्रीज (चंडीगढ़) . पंजाब LSA के दो प्रमुख संस्थानों – आईआईटी रोपड़ और पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज, चंडीगढ़ – को दूरसंचार विभाग की '100 5G यूज़ केस लैब्स' पहल के तहत उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए माननीय केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया द्वारा सम्मानित किया गया।

यह सम्मान 28 जुलाई 2026 को नई दिल्ली में आयोजित भारत 6G एलायंस (B6GA) समीक्षा बैठक के दौरान प्रदान किया गया।

आईआईटी रोपड़ ने 'कैपेसिटी एंड फाउंडेशन एक्सीलेंस' (क्षमता और बुनियादी उत्कृष्टता) श्रेणी में दूसरा स्थान हासिल किया, जो छात्रों की भागीदारी, संकाय (फैकल्टी) के जुड़ाव और परियोजना विकास में इसकी उपलब्धियों को रेखांकित करता है। वहीं, पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज (समकक्ष विश्वविद्यालय), चंडीगढ़ को 5G नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने में उसके सराहनीय योगदान के लिए इसी श्रेणी में तीसरा स्थान प्रदान किया गया।

ये पुरस्कार माननीय संचार राज्य मंत्री डॉ. पेम्मासानी चंद्र शेखर, दूरसंचार सचिव अमित अग्रवाल, महानिदेशक (दूरसंचार) आनंद खरे और दूरसंचार विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति में प्रदान किए गए। यह सम्मान अगली पीढ़ी की दूरसंचार प्रौद्योगिकियों में वैश्विक नेतृत्व स्थापित करने के भारत सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप, स्वदेशी 5G अनुसंधान, नवाचार और क्षमता निर्माण को आगे बढ़ाने में इन संस्थानों के महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित करता है।

मोगा स्कूल यौन उत्पीड़न मामले में एनएचआरसी का स्वत: संज्ञान

जालंधर ब्रीज (नई दिल्ली) . राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी), भारत ने मीडिया में प्रकाशित उस समाचार का स्वतः संज्ञान लिया है, जिसके अनुसार पंजाब के मोगा जिले के एक सरकारी विद्यालय के प्रधानाचार्य ने कई छात्राओं के साथ अनुचित ढंग से छेड़छाड़ कर उनका यौन उत्पीड़न किया। समाचार के अनुसार, वह छात्राओं को इस बात की धमकी देता था कि यदि उन्होंने उसके विरुद्ध शिकायत की, तो वह उन्हें परीक्षा में अनुत्तीर्ण कर देगा। आयोग ने कहा है कि यदि समाचार रिपोर्ट की सामग्री सत्य है, तो यह मानवाधिकारों के उल्लंघन का गंभीर मामला है। इसलिए आयोग ने राज्य के मुख्य सचिव और मोगा के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर मामले पर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है। 23 जुलाई 2026 को प्रकाशित मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, घटना का खुलासा तब हुआ, जब पीड़ित छात्राओं में से एक ने अपने माता-पिता को इसकी जानकारी दी। इसके बाद पीड़ित छात्रा के माता-पिता ने ग्राम पंचायत को बुलाया और विद्यालय पहुंचकर प्रधानाचार्य का सामना किया। हालांकि, प्रधानाचार्य ने आरोपों से इनकार कर दिया, लेकिन इसके बाद कई अन्य छात्राएं भी उसके विरुद्ध इसी प्रकार के आरोप लेकर सामने आईं। इस दौरान पुलिस को भी बुलाया गया।

हेपेटाइटिस के खिलाफ भारत की निर्णायक पहल, 2030 लक्ष्य को लेकर व्यापक रणनीति

जालंधर ब्रीज (चंडीगढ़) . भारत हेपेटाइटिस से निपटने के अपने 2030 के लक्ष्य को हासिल करने के लिए स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी बाधाओं को व्यवस्थित रूप से दूर कर रहा है। 'नेशनल वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल प्रोग्राम' ने स्वास्थ्य प्रणाली दृष्टिकोण को अपनाया है और संक्रमण को रोकने तथा बीमारी से प्रभावित लोगों को मुफ्त दवाएं और जांच जैसी सेवाएं देने के लिए इसे कई राष्ट्रीय कार्यक्रमों के साथ जोड़ा है।

हेपेटाइटिस क्या है?

हेपेटाइटिस लिवर में होने वाली सूजन है। यह हेपेटाइटिस वायरस या अन्य संक्रमणों, शराब और ड्रग्स जैसे ज़हरीले पदार्थों तथा ऑटोइम्यून बीमारियों के कारण होती है। हेपेटाइटिस वायरस मुख्य रूप से पाँच प्रकार के होते हैं, जिनमें हेपेटाइटिस बी और हेपेटाइटिस सी सबसे आम हैं। इनसे सिरोसिस और लिवर कैंसर जैसी गंभीर एवं लंबे समय तक चलने वाली बीमारियाँ हो सकती हैं। भारत में हेपेटाइटिस को सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या माना गया है। वर्ष 2018 में सरकार ने इस बीमारी से निपटने के लिए जांच और इलाज की सुविधाएँ उपलब्ध कराने हेतु 'नेशनल वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल प्रोग्राम (NVHCP)' शुरू किया। यह संयुक्त राष्ट्र के 'सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स (सतत विकास लक्ष्य)' के अनुरूप है। इसका उद्देश्य विभिन्न प्रकार की वायरल हेपेटाइटिस बीमारियों से निपटना है।

नेशनल वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल प्रोग्राम

एनवीएचसीपी (NVHCP) के तहत अपनाई गई मुख्य रणनीतियों में रोकथाम, स्वास्थ्य संवर्धन तथा उपचार से जुड़े उपाय शामिल हैं। इनमें जागरूकता बढ़ाना, सेवाओं तक पहुँच आसान बनाना तथा ज़रूरतमंद सभी लोगों को वायरल हेपेटाइटिस की जांच और इलाज उपलब्ध कराना शामिल है। यह कार्यक्रम हेपेटाइटिस ए, बी, सी, डी और ई वायरस से संबंधित है।

नागर विमानन मंत्रालय ने अमृतसर से हब एंड स्पोक इंटरनेशनल फ्लाइट ऑपरेशन सुविधा का शुभारंभ किया

• **जालंधर ब्रीज .** नई दिल्ली

नागर विमानन मंत्रालय ने आज अमृतसर से हब एंड स्पोक अंतरराष्ट्रीय उड़ान संचालन सुविधा का शुभारंभ किया। इसके साथ ही यह देश का दूसरा ऐसा हवाई अड्डा बन गया है जो अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के आवागमन के लिए भारत के प्रारंभिक हब एंड स्पोक फ्रेमवर्क में शामिल हुआ है। यह भारत को वैश्विक विमानन केंद्र में बदलने की सरकार की रणनीति का अगला चरण है जिसके अंतर्गत भारत के ऐसे हवाई अड्डों के माध्यम से देश भर के यात्रियों को निर्बाध तरीके से अंतरराष्ट्रीय यात्राओं के लिए संपर्क सुविधा दी जाएगी।

इससे पहले, 25 जून 2026 को वाराणसी में भारत के प्रथम हब एंड स्पोक ऑपरेशन का सफलतापूर्वक शुभारंभ किया गया था। विगत एक महीने में इस प्रणाली ने सुचारू रूप से काम किया है जिससे यह पता चला कि यह मॉडल कितना सफल है और यात्रियों से भी इसके संबंध में अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। इस दौरान, वाराणसी से आने वाले यात्रियों को दिल्ली से होकर अठारह अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों से आसानी से जोड़ा गया। इससे सिद्ध हुआ कि अंतरराष्ट्रीय यात्रा को आसान बनाने में यह पहल कितनी प्रभावशाली है।

केंद्रीय नागर विमानन मंत्री राम मोहन नायडू ने इस अवसर पर वीडियो संदेश के माध्यम से अमृतसर हवाई अड्डे पर उपस्थित सभी हितधारकों को बधाई देते हुए कहा, "हब एंड स्पोक केवल विमानन के संचालन का मॉडल नहीं है बल्कि यह एक शानदार अवसर है। इसके लिए दिल्ली केंद्र के तौर पर काम करेगा जबकि अमृतसर पंजाब, जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश के लिए प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रवेश द्वार बनेगा। अमृतसर उन भारतीय शहरों में से एक है जिन्हें प्रवासी भारतीयों से अपने मज़बूत संपर्क और बड़ी क्षेत्रीय जनसंख्या को आकर्षित करने के साथ उन्हें विश्व से जोड़ने के लिए इस बदलाव से सबसे अधिक लाभ होगा।"

अमृतसर भारत के प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रवेश द्वारों में से एक है, जो तीर्थयात्रियों, प्रवासी भारतीय समुदाय के सदस्यों, व्यापार संबंधी यात्रियों और पंजाब और आस-पास के क्षेत्रों के पर्यटकों को सेवा प्रदान करता है। आशा व्यक्त की जा रही है कि हब एंड स्पोक फ्रेमवर्क में इसके शामिल होने से भारतीय केंद्र के माध्यम से वैश्विक गंतव्यों तक पहुंच में बहुत सुधार होगा और साथ ही यात्रियों को तेज़, अधिक सुविधाजनक और यात्रा का वह अनुभव मिलेगा जिसके बारे में पहले से जानकारी होगी।

मंत्री महोदय ने वृहत राष्ट्रीय दृष्टिकोण पर बल देते हुए कहा, "माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी सोच वाले नेतृत्व में भारत वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी विमानन गतिविधियों के अपने केंद्र बनाने की दिशा में काम कर रहा है। यह केवल यात्रियों की सुविधा को बेहतर बनाने के बारे में नहीं है बल्कि यह विमानन क्षेत्र में भारत की सम्प्रभुता को सुदृढ़ करने और सुनिश्चित करने के बारे में है कि ऐसे भारतीय केंद्र भारत को दुनिया से जोड़ेंगे।"

इस पहल से यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाने से आगे बढ़कर पर्यटन, व्यापार, निवेश और क्षेत्रीय विकास को सशक्त करके बड़े आर्थिक लाभ होने की आशा है। मंत्रालय के अध्ययन से पता चलता है कि विमानन केंद्रों के संचालन के विकास से लगभग 4 लाख प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार पैदा हो सकते हैं और 2030 तक भारत की अर्थव्यवस्था में 30 बिलियन अमेरिकी डॉलर का अतिरिक्त योगदान हो सकता है। कुल मिलाकर 2047 तक लगभग 1.6 करोड़ प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिलने का अनुमान है, जबकि राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में लगभग 1.4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का योगदान होगा। अमृतसर से इस सुविधा का संचालन शुरू होने के साथ ही अंतरराष्ट्रीय यात्री अब प्रस्थान से पहले अमृतसर में ही चेक-इन, इमिग्रेशन और कस्टम जांच संबंधी औपचारिकताएं पूरी कर सकते हैं। उनका सामान सीधे अंतिम अंतरराष्ट्रीय गंतव्य तक भेज दिया जाएगा जिससे वे तय हब हवाई अड्डे पर दोबारा इमिग्रेशन या कस्टम जांच संबंधी औपचारिकता से गुज़रे बिना निर्बाध रूप से अपनी अगली अंतरराष्ट्रीय उड़ान में जा सकेंगे। मंत्री महोदय ने अमृतसर से अंतरराष्ट्रीय संतर्क पर हब एंड स्पोक मॉडल के परिवर्तनकारी असर के बारे में बताते हुए कहा: "अभी तक, अमृतसर से यात्रा करने वाले यात्रियों के पास केवल सात जगहों के लिए सीधा अंतरराष्ट्रीय संपर्क था। हब एंड स्पोक मॉडल के शुरू होने से दिल्ली हवाई अड्डे की वैश्विक संपर्क सुविधा यात्रियों को सीधे अमृतसर से ही मिल जाएगी। यात्री एक ही चेक-इन और एक ही बैगेज टैग से 20 से अधिक अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों पर जा सकेंगे जिससे पूरी यात्रा पहले से कहीं ज़्यादा आसान हो जाएगी। अभी प्रति वर्ष लगभग 1.5 लाख यात्री अंतरराष्ट्रीय उड़ानें लेने के लिए अमृतसर से दिल्ली आते हैं, जबकि अन्य 1.5 लाख यात्री विदेश से दिल्ली होते हुए अमृतसर पहुंचते हैं। इस एकीकृत प्रणाली के अंतर्गत यात्रा जैसे-जैसे आसान होती जाएगी, हमें उम्मीद है कि यात्रियों की संख्या भी तेज़ी से बढ़ेगी।"

वहीं, एयरलाइंस ने अनुमान लगाया है कि केवल अमृतसर से दिल्ली होकर हब एंड स्पोक मॉडल से प्रति दिन लगभग 250 यात्रियों को लाभ होगा। आने वाले महीनों में और भी स्पोक हवाई अड्डों को इस फ्रेमवर्क में लाया जाएगा, इसलिए अगले चरण में प्रति दिन लगभग 1,200 यात्रियों को सुविधा मिलने की उम्मीद है, जो वार्षिक रूप से लगभग 4.5 लाख यात्रियों के बराबर है। इससे भारत में क्षेत्रीय स्तर से निर्बाध अंतरराष्ट्रीय संपर्क काफ़ी बढ़ जाएगा। यह पहल सुरक्षा, सुविधा और नियामक अनुपालनों के सर्वोच्च मानकों को बनाए रखते हुए यात्रियों की सुविधा को काफी बढ़ाएगी। हब एंड स्पोक फ्रेमवर्क सरकार के अंतरराष्ट्रीय विमानन केंद्र रणनीति के निर्माण का प्रमुख स्तंभ है जिसका उद्देश्य भारतीय हवाई अड्डों को अंतरराष्ट्रीय यात्रा के लिए पसंदीदा प्रवेश द्वार के तौर पर मज़बूत करना, भारतीय कैरियर्स के लिए नेटवर्क क्षमता में सुधार करना और विदेशी ट्रांजिट हब्स पर निर्भरता कम करना है। इस पहल का उद्देश्य भारत की रणनीतिक भौगोलिक स्थिति का लाभ उठाकर और हवाई अड्डों की अवसंरचना को बढ़ाकर, अंतर्राष्ट्रीय स्थानांतरण यातायात का बड़ा हिस्सा देश के अंदर बनाए रखना है और साथ ही भारत के विमानन क्षेत्र की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाना है। अमृतसर से हब एंड स्पोक ऑपरेशन्स का उद्घाटन चरणबद्ध तरीके से भारत की अंतरराष्ट्रीय विमानन केंद्र रणनीति को लागू करने की दिशा में अहम मील का पत्थर है। और भी कई स्पोक हवाई अड्डे संचालन के लिए तैयारी की ओर आगे बढ़ रहे हैं। उन्हें चरणबद्ध तरीके से नेटवर्क में जोड़ा जाएगा, जिससे भारतीय हब एयरपोर्ट्स के माध्यम से निर्बाध अंतरराष्ट्रीय संपर्क की देशव्यापी प्रणाली बनेगी। यह पहल एक अधिक सुविधाजनक रूप से जुड़े, सामर्थ्यवान और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी विमानन के अनुकूल तंत्र का निर्माण करके विकसित भारत @2047 के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में अहम कदम है।

इस कार्यक्रम में नागर विमानन मंत्रालय के सचिव समीर कुमार सिन्हा; अतिरिक्त सचिव पुनीत कंसल; भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के चेयरमैन विपिन कुमार; एएआई के मुख्य परामर्शदाता शरद कुमार; एयर इंडिया के ग्रुप हेड-गवर्नेंस पी. बालाजी; ब्यूरो ऑफ़ इमिग्रेशन, कस्टम्स और सीआईएसएफ के प्रतिनिधि शामिल हुए। इस अवसर पर उद्योग जगत के संगठन, होटल और हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र के हितधारक, यात्रा संबंधी क्षेत्र के साझेदार, पर्यटन क्षेत्र के प्रतिनिधि और कई दिग्गज भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर इन प्रतिनिधियों और विमानन क्षेत्र तथा व्यापारिक क्षेत्र के प्रमुख हितधारकों के साथ हुई बातचीत से अमृतसर से अंतरराष्ट्रीय संपर्क को सुदृढ़ करने के लिए ठोस सहयोग पर बल मिला है।

जग्गा फुकीवाल गैंग का पर्दाफाश, शाहजहांपुर गोलीकांड का मुख्य शूटर गिरफ्तार

• **जालंधर ब्रीज.** कपूरथला

कपूरथला पुलिस ने जग्गा फुकीवाल गैंग के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए गांव शाहजहांपुर में गोलियां चलाने वाले मुख्य शूटर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक ग्लॉक पिस्तौल और आठ जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कपूरथला गौरव तूरा, आईपीएस ने 30 जुलाई 2026 को बताया कि 1 नवंबर 2025 को गांव शाहजहांपुर, थाना सुल्तानपुर लोधी निवासी हरजिंदर सिंह पुत्र मंशा राम पर दो मोटरसाइकिल सवार युवकों ने जान से मारने की नीयत से गोलियां चलाई थीं।

इस संबंध में थाना सुल्तानपुर लोधी में मुकदमा नंबर 270, दिनांक 2 नवंबर 2025, भारतीय न्याय संहिता की धारा 109 और आर्म्स एक्ट की धारा 25 के तहत मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने मानवीय और तकनीकी स्रोतों की सहायता से वारदात की रेकी करने वाले बिक्रमजीत सिंह उर्फ विक्की पुत्र रेशम सिंह, निवासी शाहजहांपुर को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद वारदात को अंजाम देने वाले शूटर अजय कुमार उर्फ बिल्ला पुत्र संतोष सिंह उर्फ गोशा, निवासी शाहजहांपुर को भी गिरफ्तार किया गया था। उसके कब्जे से वारदात में इस्तेमाल किया गया .30 बोर का देसी पिस्तौल बरामद किया गया था।

पुलिस के अनुसार इस मामले में कुल 12 आरोपियों को नामजद किया गया था। जांच के दौरान सामने आया कि इस वारदात को विदेश में बैठे जगदीप सिंह उर्फ जग्गा फुकीवाल पुत्र निर्मल सिंह, निवासी शाहजहांपुर, थाना सुल्तानपुर लोधी ने अपने साथियों के माध्यम से अंजाम दिलवाया था। वारदात में फरार मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक जांच कपूरथला हरिंदर सिंह गिल, पीपीएस और एएसपी सब-डिवीजन सुल्तानपुर लोधी धरेन्द्र वर्मा, आईपीएस की निगरानी में विशेष टीमें गठित की गई थीं। इन टीमों में सीआईए कपूरथला के इंचार्ज सब-इंस्पेक्टर रमन कुमार और थाना सुल्तानपुर लोधी के मुख्य अफसर एएसआई दविंदरपाल की पुलिस टीमें शामिल थीं।

पुलिस टीमों ने कार्रवाई करते हुए इस गोलीकांड के मुख्य शूटर हरविंदरपाल मट्टू उर्फ इंदू पुत्र बलदेव राज, निवासी तलवंडी माधो, थाना शाहकोट, जिला जालंधर को 29 जुलाई 2026 को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक ग्लॉक पिस्तौल और आठ जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। आरोपी से उसके गैंग से जुड़े अन्य सदस्यों, विदेशी संपर्कों और आपराधिक गतिविधियों के संबंध में आगे की पूछताछ की जा रही है।

सुल्तानपुर लोधी पुलिस ने लूटपाट करने वाले गिरोह का किया पर्दाफाश, मुख्य सरगना समेत तीन आरोपी गिरफ्तार

• **जालंधर ब्रीज.** कपूरथला

कपूरथला पुलिस ने सुल्तानपुर लोधी क्षेत्र में पिछले दिनों लूटपाट और छीना-झपटी की वारदातों को अंजाम देने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए मुख्य सरगना समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक अवैध तुर्की निर्मित .30 बोर पिस्तौल, एक मैगजीन, दो जिंदा कारतूस, एक दातर, लूटे गए दो मोबाइल फोन और वारदात में इस्तेमाल किया गया एक मोटरसाइकिल बरामद किया है। यह कार्रवाई पंजाब सरकार और पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव, आईपीएस द्वारा समाज विरोधी तत्वों के खिलाफ चलाई जा रही विशेष मुहिम के तहत की गई।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कपूरथला गौरव तूरा, आईपीएस के दिशा-निर्देशों, पुलिस अधीक्षक जांच हरिंदर सिंह गिल, पीपीएस की हिदायतों और सहायक पुलिस अधीक्षक सुल्तानपुर लोधी धरेन्द्र वर्मा, आईपीएस की निगरानी में थाना सुल्तानपुर लोधी के प्रभारी दविंदरपाल और उनकी पुलिस टीम ने यह सफलता हासिल की। पुलिस अधीक्षक जांच हरिंदर सिंह गिल ने बताया कि 27 जुलाई 2026 को थाना सुल्तानपुर लोधी पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ व्यक्तियों ने एक गिरोह बनाया हुआ है। यह गिरोह सुल्तानपुर लोधी क्षेत्र और पवित्र बेईं के किनारे लोगों को दातर दिखाकर उनसे मोबाइल फोन, नकदी और सोने की बालियां आदि लूटता था।

पुलिस को सूचना मिली थी कि गिरोह के सदस्य माछीजोआ बांध वाली सड़क पर एक और वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं। इसके बाद थाना सुल्तानपुर लोधी पुलिस ने मामला नंबर 162, दिनांक 27 जुलाई 2026, भारतीय न्याय संहिता की धारा 307 के तहत दर्ज कर योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सुखपाल पुत्र परमजीत, निवासी हैदराबाद बेट, थाना सुल्तानपुर लोधी और अर्शप्रीत सिंह पुत्र गुरप्रीत सिंह, निवासी लाटवाला, थाना कबीरपुर, जिला कपूरथला को गिरफ्तार कर लिया।

दोनों आरोपियों के कब्जे से एक दातर, लूटे गए दो मोबाइल फोन और एक मोटरसाइकिल बरामद किया गया। इसी मामले की जांच के दौरान 29 जुलाई 2026 को थाना सुल्तानपुर लोधी पुलिस ने गिरोह के मुख्य सरगना लखविंदर सिंह पुत्र सरबजीत सिंह, निवासी नत्थूपुर, थाना तलवंडी चौधरियां, जिला कपूरथला को भी गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने लखविंदर सिंह के कब्जे से तुर्की निर्मित .30 बोर का एक अवैध पिस्तौल, मैगजीन और दो जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपियों को अदालत में पेश किया गया है और उनसे पूछताछ जारी है।

डाक विभाग द्वारा 28 अगस्त तक विशेष आधार नामांकन एवं अपडेट अभियान का आयोजन

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

नागरिकों को आधार सेवाएं सुगमता से उपलब्ध कराने तथा इन सेवाओं की पहुंच को और अधिक सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से डाक विभाग द्वारा चंडीगढ़ एवं मोहाली के 26 डाकघरों में आधार नामांकन एवं अपडेट केंद्र उपलब्ध कराए गए हैं। वर्तमान में निम्नलिखित डाकघरों में आधार नामांकन एवं अपडेट की सेवाएं उपलब्ध हैं: एयरोसिटी, एयरोड्रोम, चंडीगढ़ जी.पी.ओ., डेरा बस्सी, हाई कोर्ट, खरड़, कुराली, मनीमाजरा, न्यू सेक्रेटेरिएट, सेक्टर-08, सेक्टर-12, सेक्टर-14, सेक्टर-19, सेक्टर-22, सेक्टर-26, सेक्टर-30, सेक्टर-36, सेक्टर-47, सेक्टर-55, सेक्टर-59, सेक्टर-60, सेक्टर-71, सोहाना, सियालबा माजरी, सनी एन्क्लेव एवं जीरकपुर डाकघर।

जनता की अधिकतम सुविधा को ध्यान में रखते हुए 28 अगस्त 2026 तक प्रत्येक रविवार एवं राजपत्रित अवकाश के दिनों में भी चंडीगढ़ जी.पी.ओ., मनीमाजरा, जीरकपुर, खरड़, सेक्टर-19 डाकघर एवं सेक्टर-55 डाकघर में विशेष आधार सेवाएं उपलब्ध रहेंगी।रविवार को आधार सेवाएँ सुबह 9:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक उपलब्ध रहेंगी। इसके अतिरिक्त, चंडीगढ़ जी.पी.ओ., सेक्टर-17 स्थित आधार केंद्र में आधार सेवाएं विस्तारित कार्य समय के साथ प्रातः 7:30 बजे से सायं 8:00 बजे तक उपलब्ध रहेंगी। इससे नागरिक सामान्य कार्यालय समय के बाद भी आधार सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे।

इस विशेष अभियान के अंतर्गत जो सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, उनमें निवासियों के लिए नए आधार का नामांकन। आधार विवरण का अपडेट, जिसमें नाम, पता, जन्म तिथि, मोबाइल नंबर एवं ई-मेल आदि शामिल हैं। बायोमेट्रिक अपडेट, जिसमें उंगलियों के निशान, आइरिस स्कैन एवं फोटोग्राफ शामिल हैं। 5 वर्ष एवं 15 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले बच्चों के लिए अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट, इत्यादि शामिल हैं।

यह विशेष अभियान आधार सेवाओं को आम जनता के और निकट लाने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। इससे विशेष रूप से विद्यार्थियों, वरिष्ठ नागरिकों, कामकाजी लोगों तथा ऐसे निवासियों को सुविधा मिलेगी, जिन्हें सामान्य कार्यालय समय के दौरान आधार केंद्र पर जाना कठिन होता है। माता-पिता, विद्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थानों से अनुरोध है कि वे विद्यार्थियों के आधार विवरण को समय पर अपडेट करवाना सुनिश्चित करें, ताकि प्रवेश, छात्रवृत्ति, परीक्षाओं तथा विभिन्न सरकारी सेवाओं के लिए आवेदन करते समय किसी प्रकार की असुविधा न हो। निवासियों से अनुरोध है कि वे अपने निकटतम आधार-सक्षम डाकघर में जाकर आधार नामांकन एवं अपडेट की आसान सुविधाजनक सेवाओं का लाभ उठाएं।

संयुक्त निदेशक शिखा नेहरा 35 वर्षों की समर्पित सेवाओं के बाद सेवानिवृत्त

चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज). सूचना एवं लोक संपर्क विभाग, पंजाब की संयुक्त निदेशक शिखा नेहरा आज 35 वर्षों की उल्लेखनीय एवं समर्पित सरकारी सेवा पूरी करने के उपरांत सेवानिवृत्त हो गईं। उनके सम्मान में आयोजित विदाई समारोह के दौरान राज्य मीडिया प्रमुख बलतेज सिंह पन्नू ने उनके साथ अपने लंबे कार्यकाल को याद करते हुए कहा कि शिखा नेहरा ने हमेशा निडरता, पूर्ण निष्ठा, व्यावसायिक दक्षता और प्रतिबद्धता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन किया। उन्होंने कहा कि वे विभाग की एक अमूल्य संपत्ति रही हैं और उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

मुख्यमंत्री के मीडिया संबंधी ओएसडी अमनजोत सिंह ने शिखा नेहरा को युवा लोक संपर्क अधिकारियों के लिए प्रेरणास्रोत बताते हुए कहा कि उन्होंने हमेशा नई पीढ़ी के लोक संपर्क पेशेवरों का मार्गदर्शन किया और हर कदम पर उनका उत्साहवर्धन किया। सूचना एवं लोक संपर्क विभाग के विशेष सचिव-सह-निदेशक पुनीत गोयल ने उन्हें सेवानिवृत्ति के उपरांत जीवन के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी व्यावसायिक कुशलता, मानवीय दृष्टिकोण और उत्कृष्ट सेवाओं को विभाग हमेशा सम्मानपूर्वक याद रखेगा।

पंजाब पुलिस द्वारा 611 स्थानों पर छापेमारी; 310 गिरफ्तार

लोग एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 के माध्यम से गुप्त रूप से गैंगस्टरों की रिपोर्ट कर सकते हैं

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

राज्य में चल रहे अभियान 'गैंगस्टरां ते वार' के 191वें दिन पंजाब पुलिस ने आज राज्य भर में गैंगस्टरों के सहयोगियों के पहचाने गए और मैप किए गए 611 स्थानों पर छापेमारी की। उल्लेखनीय है कि 'गैंगस्टरां ते वार' - पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने के लिए निर्णायक जंग, जो 20 जनवरी, 2026 को पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव द्वारा शुरू की गई थी। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पंजाब के समन्वय से सभी जिलों की पुलिस टीमें राज्य भर में विशेष अभियान चला रही हैं।

191वें दिन, पुलिस टीमों ने 12 हथियारों सहित 310 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया, जिससे अभियान की शुरुआत के बाद कुल गिरफ्तारियां 54,514 हो गईं। इसके अलावा 209 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियाती कार्रवाई की गई है। पुलिस टीमों ने कार्रवाई के दौरान 5 फरार अपराधियों को भी गिरफ्तार किया है।

जनता एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 के माध्यम से वांछित अपराधियों और गैंगस्टरों की गुप्त रूप से रिपोर्ट कर सकती है तथा अपराध और आपराधिक गतिविधियों के बारे में सूचना भी दे सकती है।

इस दौरान पुलिस टीमों ने नशों के खिलाफ अपने अभियान "युद्ध नशेयां विरुद्ध" को 5165वें दिन भी जारी रखते हुए आज 101 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया है और उनके कब्जे से 1.1 किलो हेरोइन, 900 ग्राम अफीम, 1747 नशीली गोलियां और 1300 रुपए ड्रग मनी बरामद की गई। इसके साथ, केवल 515 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 74,995 हो गई है। नशा मुक्ति अभियान के हिस्से के रूप में, पंजाब पुलिस ने आज 16 व्यक्तियों को नशा मुक्ति और पुनर्वास उपचार कराने के लिए राजी किया है।

सैनिक इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी में तीन महीने का बेसिक कंप्यूटर कोर्स 1 से शुरू

जालंधर (जालंधर ब्रीज). जिला रक्षा सेवाएं कल्याण दफ्तर के सैनिक इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, जालंधर में तीन महीने का बेसिक कंप्यूटर कोर्स 1 अगस्त 2026 से शुरू होने जा रहा है। सैनिक इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी के डायरेक्टर-कम-जिला रक्षा सेवाएं कल्याण अधिकारी कमांडर बलजिंदर सिंह विर्क ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि इस कोर्स के लिए न्यूनतम योग्यता 10वीं पास है और कोर्स में दाखिला लेने की अंतिम तिथि 10 अगस्त 2026 है। उन्होंने बताया कि कोर्स के लिए सेवा कर रहे सैनिकों/पूर्व सैनिकों के बच्चों को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि कोर्स के लिए पूर्व सैनिकों और समाज के कमजोर वर्गों के बच्चों से नाममात्र फीस ही ली जाएगी।

इंस्टीट्यूट के प्रिंसिपल डा. परमिंदर कौर सैनी ने बताया कि इस कोर्स में शिक्षार्थियों को एम.एस. ऑफिस (एम.एस.-वर्ड, एम.एस. एक्सेल, एम.एस. पावर प्वाइंट), प्रिंटिंग, स्कैनिंग, ई-मेलिंग आदि के अलावा पंजाबी और इंग्लिश टाइपिंग की ट्रेनिंग भी दी जाएगी। उन्होंने बताया कि कोर्स समाप्त होने के बाद विद्यार्थियों को सर्टिफिकेट भी दिया जाएगा। कोर्सों संबंधी अधिक जानकारी दफ्तर से किसी भी कार्य-दिवस के दौरान ली जा सकती है या फोन नंबर 0181-2452290, 89682-73057, 84279-68374, 77173-21740 पर सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक संपर्क किया जा सकता है।

मान सरकार ने नीट, जेईई परीक्षाओं के शानदार परिणामों के लिए 300 से अधिक प्राचार्यों को किया सम्मानित

हरजोत सिंह बैंस ने कहा- पंजाब शिक्षा क्रांति के तहत प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता की नई गाथा लिख रहे हैं पंजाब के सरकारी स्कूल

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

राज्य के सरकारी स्कूलों में शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठाने में प्राचार्यों के उत्कृष्ट मार्गदर्शन और समर्पण को प्रोत्साहित करने तथा सम्मानित करने के उद्देश्य से पंजाब के शिक्षा मंत्री स हरजोत सिंह बैंस तथा दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं 'आप' पंजाब प्रभारी श्री मनीष सिसोदिया ने आज सरकारी स्कूलों के 300 से अधिक प्राचार्यों को सम्मानित किया, जिनके विद्यार्थियों ने पंजाब अकादमिक कोचिंग फॉर एक्सीलेंस (पेस) पहल के अंतर्गत जेईई (मेन), जेईई (एडवांस्ड) और नीट यूजी-2026 परीक्षाएं उत्तीर्ण की हैं। एसएएस नगर (मोहाली) स्थित मोहाली क्लब में आयोजित सम्मान समारोह के दौरान पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने कहा, "पंजाब के सरकारी स्कूलों ने एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं में शानदार सफलता हासिल की है। 361 विद्यार्थियों ने जेईई (मेन)-2026 परीक्षा उत्तीर्ण की है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 35.2 प्रतिशत वृद्धि को दर्शाता है। इसके साथ ही 64 विद्यार्थियों ने जेईई (एडवांस्ड) परीक्षा उत्तीर्ण की है, जो वर्ष-दर-वर्ष 45.5 प्रतिशत वृद्धि को दर्शाता है।"

शिक्षा मंत्री ने कहा, "पंजाब के सरकारी स्कूलों के 882 विद्यार्थियों ने नीट यूजी-2026 परीक्षा उत्तीर्ण की है, जबकि वर्ष 2025 में यह संख्या 847 और वर्ष 2024 में 437 थी। केवल दो वर्षों में यह संख्या 100 प्रतिशत से अधिक बढ़ी है। यह उपलब्धि पंजाब शिक्षा क्रांति के प्रभाव तथा सरकारी स्कूलों में उपलब्ध कराई जा रही शैक्षणिक सहायता को दर्शाती है।"

बैंस ने बताया कि सरकारी स्कूलों के 10 विद्यार्थियों ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी), 36 विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (एनआईटी) तथा 90 से अधिक विद्यार्थियों ने देशभर के सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रवेश प्राप्त किया है। उन्होंने कहा, "ये आंकड़े इस बात का प्रमाण हैं कि पंजाब के सरकारी स्कूल अब ऐसे विद्यार्थी तैयार कर रहे हैं जो देश की प्रमुख संस्थाओं में प्रवेश पाने में सक्षम हैं।"

शिक्षा मंत्री ने कहा, "आज पंजाब के शिक्षा मॉडल की पूरे देश में चर्चा हो रही है। यह हमारे शिक्षकों की कड़ी मेहनत, लगन और समर्पण का परिणाम है।

मेहर चंद पॉलिटेक्निक कॉलेज में नए सत्र का शुभारंभ

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

मेहर चंद पॉलिटेक्निक कॉलेज, जालंधर में नए शैक्षणिक सत्र का शुभारंभ पवित्र हवन यज्ञ के साथ वैदिक मंत्रोच्चारण एवं स्टाफ तथा विद्यार्थियों द्वारा आहुतियाँ अर्पित करके किया गया। डीएवी सीएमसी के सदस्य कुंदन लाल अग्रवाल मुख्य यजमान के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रिंसिपल एसके गौतम, प्रिंसिपल मैडम कवलजीत कौर, सुधीर शर्मा, ललित सिंगला तथा बड़ी संख्या में नवप्रवेशित विद्यार्थी एवं उनके अभिभावक उपस्थित थे। उनके साथ सभी विभागाध्यक्ष तथा सेवानिवृत्त स्टाफ सदस्य भी कार्यक्रम में शामिल हुए। यह आयोजन महात्मा आनंद स्वामी ऑडिटोरियम भवन में आयोजित किया गया, जो नए विद्यार्थियों से खचाखच भरा हुआ था।

हवन की संपूर्ण प्रक्रिया स्टाफ सदस्य प्रभु दयाल के निर्देशन में संपन्न हुई तथा कॉलेज के विद्यार्थियों ने स्वयं हवन संपन्न कराया। प्रिंसिपल डॉ. जगरूप सिंह ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प के बल पर विद्यार्थी जीवन में सर्वोच्च सफलता प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने मेहर चंद पॉलिटेक्निक कॉलेज की उल्लेखनीय उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि इस संस्थान में प्रवेश लेकर विद्यार्थियों ने अपनी सफलता की आधी मंजिल पहले ही तय कर ली है। उन्होंने कहा कि विनम्रता, निष्ठा और निरंतर प्रयास ही विद्यार्थियों को उनकी मंजिल तक पहुँचाते हैं। अभिभावकों, शिक्षकों और विद्यार्थियों के आपसी सहयोग एवं समन्वय से ही विद्यार्थी सफलता के उच्च शिखर तक पहुँच सकते हैं। उन्होंने बताया कि दो कार्यक्रमों में एन.बी.ए. मान्यता प्राप्त करने वाला तथा राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित यह पंजाब का एकमात्र पॉलिटेक्निक कॉलेज है। मुख्य अतिथि कुंदन लाल अग्रवाल ने विद्यार्थियों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि सभी विद्यार्थियों को कड़ी मेहनत करके उत्कृष्ट इंजीनियर बनना चाहिए तथा अपने कॉलेज का नाम रोशन करना चाहिए। उन्होंने प्रत्येक विद्यार्थी को अपना लक्ष्य निर्धारित करने की प्रेरणा दी। उन्होंने महर्षि दयानंद के जीवन से प्रेरणादायक प्रसंग सुनाए तथा कॉलेज के स्टाफ और विद्यार्थियों को राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त होने पर बधाई दी। इस अवसर पर कॉलेज का नया प्रॉस्पेक्टस मुख्य यजमान कुंदन लाल अग्रवाल, प्रिंसिपल डॉ. जगरूप सिंह एवं विभागाध्यक्षों द्वारा जारी किया गया तथा इसकी एक-एक प्रति प्रत्येक विद्यार्थी को वितरित की गई। वर्ष 2024 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले ऑटोमोबाइल, फार्मेसी, इलेक्ट्रिकल एवं सिविल विभागों के स्टाफ सदस्यों को भी सम्मानित किया गया।

बागवानी विभाग में भर्ती प्रक्रिया शीघ्र पूरी की जाए, मोहिंदर भगत द्वारा अधिकारियों को निर्देश

चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज). पंजाब सरकार बागवानी क्षेत्र के विकास के लिए प्रतिबद्ध है तथा इस दिशा में हर आवश्यक कदम उठाया जा रहा है। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए बागवानी, स्वतंत्रता सेनानी एवं रक्षा सेवाएं कल्याण मंत्री मोहिंदर भगत ने आज चंडीगढ़ में बागवानी विभाग के कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को विभाग में चल रही भर्ती प्रक्रिया को शीघ्रातिशीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए।

मोहिंदर भगत ने कहा कि विभाग में आवश्यक स्टाफ उपलब्ध होने से सरकार की जनकल्याण योजनाओं को अधिक प्रभावी ढंग से लागू किया जा सकेगा तथा बागवानों को समय पर बेहतर सेवाएं मिल सकेंगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से संपन्न किया जाए।

बैठक के दौरान सचिव बागवानी अरशदीप सिंह थिंद तथा निदेशक बागवानी मनीष कुमार ने कैबिनेट मंत्री को विभाग द्वारा संचालित विभिन्न कार्यक्रमों, विकास कार्यों एवं अन्य महत्वपूर्ण गतिविधियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

रहाणे ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

छह अलग-अलग फ्रैंचाइजी के लिए 212 आईपीएल मैच भी खेले

स्पोर्ट्स डेस्क. भारत के अनुभवी बल्लेबाज़ अजिंक्य रहाणे ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने फैन्स के लिए एक भावुक संदेश शेयर करके इस फ़ैसले की आधिकारिक घोषणा की। 38 साल की उम्र में रहाणे ने अपने शानदार इंटरनेशनल क्रिकेट करियर को अलविदा कह दिया। अनुभवी बल्लेबाज़ ने सोशल मीडिया पर फ़ैन्स के साथ एक संदेश शेयर किया, जिसमें वे भावुक नज़र आए। उन्होंने भारतीय टीम के साथ बिताए अपने समय और देश के लिए अपना सब कुछ झोंक देने के बारे में बात की।

रहाणे ने क्लिप में कहा कि ज़िंदगी की सच्चाई यही है कि हर चीज़ की शुरुआत होती है और हर चीज़ का अंत भी। जब सही समय आता है, तो आपको बस उसका सम्मान करना होता है और

फोटो-बीसीसीआई

आगे बढ़ना होता है। मैंने हमेशा अपनी बैटिंग में टाइमिंग पर भरोसा किया है और हमेशा इसके महत्व को समझा है। आज, मुझे लगता है कि मेरे लिए आगे बढ़ने और इंटरनेशनल क्रिकेट के सभी फ़ॉर्मेट से रिटायरमेंट की घोषणा करने का सही समय आ गया है। डोम्बिवली से एक युवा लड़के के तौर पर सिर्फ़ प्रैक्टिस के लिए सफ़र करने के शुरुआती दिनों से ही, मैंने इस खेल को अपना सब कुछ दिया है।

भारतीय टीम के सबसे मज़बूत बल्लेबाज़ों में से एक माने जाने वाले रहाणे ने जब भी टीम इंडिया का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला, तो निस्संदेह अपना सब कुछ झोंक दिया। अपने करियर के दौरान, 38 वर्षीय खिलाड़ी ने कुल 85 टेस्ट, 90 वनडे और 20 टी20आई मैच खेले। इन 195 मैचों में रहाणे ने कुल 8,414 रन बनाए, जिनमें से 5,077 रन खेल के सबसे लंबे फ़ॉर्मेट में आए। उन्होंने छह अलग-अलग फ्रैंचाइजी के लिए 212 आईपीएल मैच भी खेले।

श्री गुरु रविदास महाराज जी के 650वें प्रकाश पर्व को समर्पित डॉक्यूमेंट्री को गांवों में मिल रहा समर्थन

जालंधर (जालंधर ब्रीज). पंजाब सरकार द्वारा श्री गुरु रविदास महाराज जी के 650वें प्रकाश पर्व को समर्पित करवाए जा रहे समारोहों की श्रृंखला के तहत बीती शाम जिले के गांव जहांगीर, मुरादपुर, किशनगढ़, जगरावां, रानी भट्टी और ऐमा काज़ी में गुरु जी के जीवन, उपदेशों और समाज सुधार के लिए उनके महान योगदान पर आधारित विशेष दस्तावेजी फिल्म प्रदर्शित की गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में गांववासियों और युवाओं ने डॉक्यूमेंट्री देखी और श्री गुरु रविदास जी द्वारा दिए गए समानता, भाईचारे, मानवता की भलाई और सेवा के संदेश को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। गांववासियों ने कहा कि इस प्रकार की पहल के माध्यम से युवा हमारे महान गुरुओं और संतों के जीवन, विचारों और सामाजिक बराबरी के संदेश से और करीब से जुड़ सकेंगे तथा समाज में आपसी सद्भावना और सामाजिक एकता को और मजबूती मिलेगी।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at DB Corp Ltd, J7 NEAR BUS STAND SUBHANPUR (HAMIRA), KAPURTHALA, PUNJAB - 144808, and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.